This question paper contains **3** printed pages]

YQ—168—2024

FACULTY OF ARTS

M.A. (First Year) (Second Semester) EXAMINATION

NOVEMBER/DECEMBER, 2024

HINDI

Paper-V

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - भाग-2)

(Saturday, 14-12-2024) **Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.**

Time—3 *Hours* *Maximum Marks*—75

N.B. :— (1) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) कहत-नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात। 10

भरे भौन में करत है, नैंननु ही सब बात॥

वाही की चित चटपटी, धरत अटपटे पाइं।

लपट बुझावत बिरह की, कपट भरेऊ आइ॥

अथवा

ए अलि! कहा जोग में नीको ?

तजि रसरीति नन्दनन्दन की सिखवंत निर्गुण फीको॥

देखत सुनत नाहिं कछु स्रवननि, ज्योति-ज्योति करि ध्यावत।

सुन्दरस्याम दयालु कृपानिधि कैसे है बिसरावत ?

P.T.O.

X114Y2269EAX114Y2269EAX114Y2269EAX114Y2269EA

(आ) सब उदार सब पर उपकारी। विग्र चरन सेवक नर नारी॥ 10

एक नारी व्रत रत सब झारी। ते मन वच क्रम पति हितकारी॥

दंड जतिन्ह कर भेद जहं नर्तक नृत्य समाज।

जीतहु मनहिं सुनिअ अस रामचन्द्र के राज॥

अथवा

विलग जनि मानौ हमारी बात।

डरपति वचन कठोर कहति मति बिनु पति यों उठिजात।

जो कोऊ कहत तरे अपने कछु फिरि पाछे पछितात॥

जो प्रसाद पावत तुम ऊधो कृस्न नाम लै खात।

2. बिहारी की बहुज्ञता पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

सूरदास के काव्य में गीति तत्व का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) तुलसीदास का राजराज्य वर्णन। 10

अथवा

बिहारी का शृंगार वर्णन।

(आ) सूरदास की भक्ति-भावना। 10

अथवा

तुलसीदास की सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **15-20** पंक्तियों में लिखिए : 5

(*i*) रसखान का जीवन-परिचय दीजिए।

X114Y2269EAX114Y2269EAX114Y2269EAX114Y2269EA

(*ii*) भूषण का कालविशेष में स्थान स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) रहीम का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(*iv*) घनानंद की प्रेमभावना पर प्रकाश डालिए।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** वाक्य में लिखिए : 5

(*i*) शिखों के दसवें गुरु कौन थे ?

(*ii*) 'रामचंद्रिका' किसकी रचना है ?

(*iii*) रामचरितमानस के रचनाकार कौन हैं ?

(*iv*) 'सूरसागर' के रचनाकार कौन हैं ?

(*v*) घनानंद रीतिकाल की किस काव्यधारा के कवि हैं ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5

(*i*) भूषण के काव्य में ..... प्रधान रस है।

(*ii*) बैरम खाँ ..... के पिताजी थे।

(*iii*) सुजान रसखान ..... की रचना है।

(*iv*) बिहारी की एकमात्र रचना ..... है।

(*v*) सूरदास के गुरु का नाम ..... था।

X114Y2269EAX114Y2269EAX114Y2269EAX114Y2269EA